

१३-१९
२६३

पत्रावली प्रेषा हुई। वकील वादी अनुप) बार-बार
ठाकाले के वाक्यपुत्र वकील वादी व उसके
अधिकारता अनुपारिचत है। पत्रावली के उपलक्षण
से ज्ञात है कि वादी द्वारा बेडा चक्र प्रथम के
रकबा नंबर २२ रकबा ०-५० एकर राजकीय
सिंघावचक शरी की प्रातिकूल कदजे के
ऊधार पर स्वामेदारी चाही है। जाननीय
सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित निर्णयो में प्रातिमाहिक
सिंघावचके के अनुसार प्रातिकूल कदजे के ऊधार
स्वामेदारी देना असंभव है। ऊध. धारा १५५८
के प्रावधानों के तहत वादी वादी ऊधम सापरी व
ऊधम मंत्री तथा Reverse Possession
के ऊधार पर स्वामेदारी देना प्रातिबंधित होने
से वादी वादी रकारिज किया जाता है।
पत्रावली मिसल कुमार डीकर नंबर २२
कम है।

